

दिनांक

आज्ञा-पत्र

२७/१/२५

पजावली जमा इरी लीला वादी
 व वादी स्वयं -मायालन समयावधि तक
 बार-बार आपान लावाके के लायक
 हाजिरे -ही। अतः पजावली के अदन
 हाजिरी व अदन फरदी में खातिर जमा
 जाताहै पजावली फौजदारी अमार हाजिरे-अदन
 से अदन ही वा खिल पायेगा।
 (हस्ताक्षर)